कोरोना के माहौल में भी अपनी लुक को लेकर क्रेजी हैं दुल्हनें और सगे-संबंधी

लुधियाना, 27 मई (मीनू): कोरोना के इस समय में भी दुल्हनें और सगे-संबंधी अपनी लुक को लेकर काफी क्रेजी हैं। चाहे शादी-विवाह की पार्टी में कम लोगों ही शामिल हो सकते हैं लेकिन अपनी ड्रैसिंग सैंस को लेकर भी कॉन्शियस हैं। बात अगर दुल्हन की करें तो उसके परिधान, गहने, मेकअप सभी कुछ बहुत आकर्षक होना चाहिए। सभी की नजरों को अपनी ओर मोड़ने वाले दुल्हन के परिधान और मेकअप ही उसे अलग बनाते हैं। शादी तो एक बार ही होती है तो ऐसे में दुल्हन के परिधान और मेकअप भी ऐसा होना चाहिए कि सभी को लगे कि दुल्हन के रूप में कोई परी जमीन पर उतर आई हो। 'पंजाब केसरी' ने जानें शहर की फैशन डिजाइनर्स व मेकअप आर्टिस्ट से ब्राइडल ड्रैसेज के लेटेस्ट ट्रैंड्स विद मास्क।

फैशन डिजाइनर सोनू गांधी व अवल गांधी।

नामी फैशन डिजानर सोनू गांधी व यंग फैशन डिजाइनर अवल गांधी ने बताया कि ब्राइडल ड्रैसेज में लेटैस्ट ट्रैंड्स में टिश्यू, शिफॉन, जार्जट व नेट पर हैंड वर्क, सरोसकी और पर्ल वर्क के डिजानर लहंगे दुल्हनों की फर्स्ट च्वॉइस बने हुए हैं। कलर्स की बात करें तो महरून, नीला, बादामी व न्योन कलर्स का अधिक ट्रेंड है। कोरोना के समय में ब्राइडल ड्रैसेज के साथ मैच करते हुए डिजाइनर मास्क भी जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि ब्राइडल ड्रैसेज की शॉपिंग के लिए आए लोगों को पूरी सावधानियों का ध्यान रखते हुए ही लेटैस्ट ट्रैंड्स को प्रदर्शित किया जा रहा है।

सुप्रिया जैन मॉडल के साथ।

रॉयल नवाबी ब्राइडल लहंगे व ड्रैसेज का है चलन

रॉज क्रिएशंस की डायरैक्टर व नामी फैशन डिजाइनर सुप्रिया जैन ने कहा कि रॉयल नवाबी लुक के लहंगे और शादी के हर मौके पर कैरी करने के लिए डिजाइनर ड्रैसेज के लेटैस्ट ट्रेंड्स को अधिक पसंद किया जा रहा है। आज की ब्राइड लाइट वेट के डिजाइनर कंसैप्ट को ट्राई कर रही है और इसके साथ डिजाइनर मास्क भी बनाया जा रहा है।

सुप्रिया जैन की ड्रैसेज का प्रदर्शन करते मॉडल डा. इवा कालड़ा।

लाइट वेट की ड्रैसेज इन

फैशन डिजाइनर पारूल वर्मा

जे. अडोर बॉय पारूल की फैशन डिजाइनर पारूल वर्मा ने बताया कि समर कलैक्शन में लाइट वेट और हैंड वर्क के डिजाइनर ड्रैसेज व ब्राइडल लहंगा इन है। नियोन कलर्स में भी ब्राइडल लहंगा इन है। खुद को डिफ्रैंट लुक देने के लिए ब्राइड्स डिफ्रैंट कंसैप्ट पर लहंगे भी कस्टमाइज करवा रही हैं।

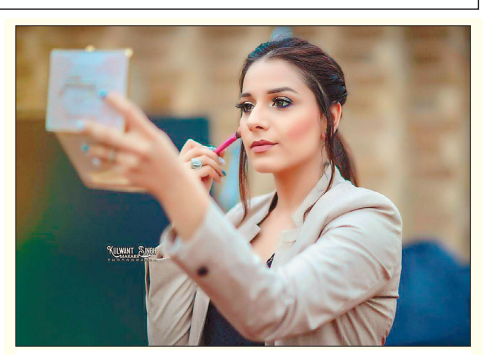
मेकअप आर्टिस्ट पल्लवी नरूला।

वैट एंड ग्लोई लुक

मेकअप आर्टिस्ट पल्लवी नरूला कहती हैं कि गर्मी के मौसम में जितनी मेकअप की लेयर कम हो उतना ही अच्छा है। वैट एंड ग्लोई लुक में नैचुरल ब्यूटी को हाईलाइट करते हैं। इस मेकअप में ग्लिटर स्मोकी मेकअप शादी व नाइट पार्टी के लिए एक बैटर ऑप्शन हैं।

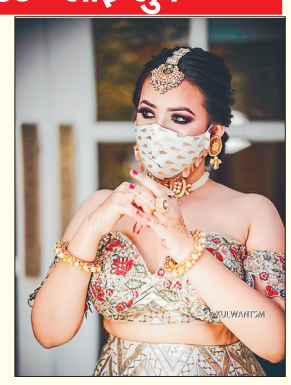
मेकअप आर्टिस्ट पल्लवी नरूला द्वारा किए मेकअप को प्रदर्शित करते मॉडल।

मेकअप आर्टिस्ट आरूषि ओसवाल पी.पी.ई. किट पहन कर मेकअप करते हुए।

मेकअप ऐसा हो कि ठहर जाएं सभी की निगाहें

मेकअप आर्टिस्ट आरूषि ओसवाल ने कहा कि मेकअप का भी दुल्हन की सुंदरता को चार-चांद लगाने में अहम रोल है। समर्स मेकअप ट्रेंड में न्यूड मेकअप ट्रेंड और नो मेकअप ट्रेंड इन है। मेकअप करते समय पी.पी.ई. किट्स, प्रोपर सैनिटाइजेशन के साथ मेकअप किया जा रहा है।

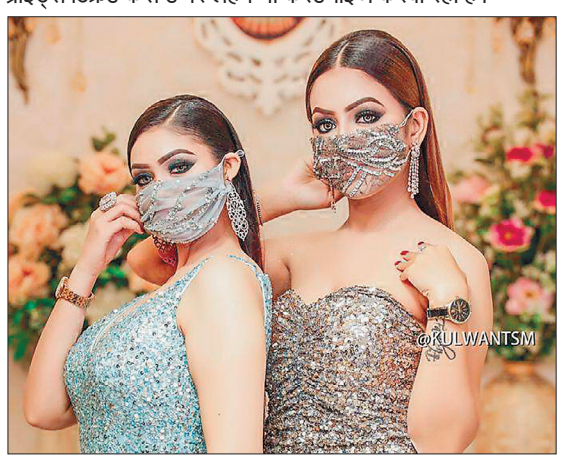

पारूल वर्मा की कलैक्शन का प्रदर्शन करतीं मॉडल्ज।

सी.टी. यूनिवर्सिटी ने बनाया 'कान्टैक्टलैस ऑटोमैटिक सैनिटाइजर डिस्पैंसर'

लुधियाना, 27 मई (विनीत): सी.टी. यूनिवर्सिटी ने रिसर्च एंड इनोवेशन सैंटर ऑफ एक्सीलैंस के सहयोग से कोविड-19 के चलते 'कान्टैक्टलैस आटोमैटिक सैनिटाइजर डिस्पैंसर' बनाया है। इंजीनियर जसप्रीत सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस से लड़ने के लिए एक-दूसरे से व कई चीजों से दूरी बनानी जरुरी है। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार ने भी नियमावली जारी की है जिसके तहत उन्होंने उक्त डिस्पैंसर तैयार किया जिसका प्रयोग करने के लिए उसे छूने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। डिस्पैंसर में लगा आई.आर. बेस्ड सैंसर किसी भी व्यक्ति के हाथों को पहचान कर डी.सी. मोटर पंप चलाता है और फिर सैनिटाइजर का हाथों पर छिड़काव होता है। सी.टी. ग्रुप के एम.डी. मनबीर सिंह व वी.सी. डा. हर्ष सदावर्ती ने रिसर्च टीम के सदस्यों को उक्त सैनिटाइजर के सफल निर्माण हेतु बधाई देते हुए इसे समाज के लिए भी लाभदायक बताया।

'कान्टैक्टलैस ऑटोमैटिक सैनिटाइजर डिस्पैंसर' का प्रयोग करता एक युवक।

गुरु अर्जुन देव के बलिदान दिवस पर उन्हें याद किया

गुरु अर्जुन देव जी को याद करते अविनाश कौर वालिया, कमलप्रीत कौर व अन्य।

लुधियाना, 27 मई (अमन): लॉकडाऊन की अवस्था में जब सब लोग घरों में स्वस्थ व सुरिक्षत है तो वहीं वक्त की मांग को ध्यान में रखते हुए स्प्रिंग डेल के विद्यार्थियों ने सिख धर्म के 5वें गुरु अर्जुन देव जी को उनकी शहादत के लिए उन्हें याद किया। उनके बलिदान को मन से महसूस करते हुए कविताएं, उनके जीवन से संबंधित शिक्षाप्रद घटनाएं, शबद गायन आदि की वीडियो बनाकर अपने विद्यालय, मित्रों और सहयोगियों को भेज कर इस बात को प्रमाणित किया कि देश-धर्म और जाति के लिए किया बलिदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

इस अवसर पर विद्यार्थी इंद्रजीत सिंह, जशन शर्मा, इश्मीत सिंह तथा गुरदीन कौर ने शबद गायन, कविता वाचन आदि ऑनलाइन सुविधा के माध्यम से भेज कर गुरु जी को श्रद्धापूर्वक याद किया।

विद्यालय की कार्यकारिणी समिति की मैनेजिंग डायरैक्टर अविनाश कौर वालिया, विद्यालय के डायरैक्टर मनदीप सिंह वालिया, कमलप्रीत कौर तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की।

फलों व सब्जियों को कीटाणू मुक्त करने हेतु वैज्ञानिकों ने बनाया ओजोन सिस्टम

पोर्टेबल सिस्टम के साथ सीफेट के वैज्ञानिकों की टीम। (नीलकमल)

लुधियाना, 27 मई (सलूजा): कोरोना महामारी के दौरान बाजार से खरीद कर घर लेकर आए फलों व सब्जियों का कैसे करें इस्तेमाल को लेकर बहुत से लोग आज तक दुविधा में पड़े हुए हैं। कई लोग तो पहले लिफाफे समेत उसके बाद बाहर निकालने पर फिर फलों व सब्जियों को कीटाणू मुक्त करने हेतु धोते हैं। कुछ लोग तो इन खाने वाले उत्पादों को अपने घर के एंट्री गेट पर बने स्थान पर कुछ समय के लिए रखने के बाद इसका इस्तेमाल करते है। इसी बीच फलों व सब्जियों को बैक्टीरिया, खतरनाक कैमिकल व वायरस मुक्त करने हेतु सैंट्रल इंस्टीच्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी (सीफेट) के वैज्ञानिकों ने ओजोन नामक एक नया पोर्टेबल सिस्टम विकसित किया है।

सीफेट के वैज्ञानिक डा. रणजीत सिंह ने बताया कि इस टैक्नोलॉजी का इस्तेमाल घरों, होटलों, छोटे प्रोसैसिंग यूनिटों में आसानी से करके फलों, सब्जियां, मीट आदि उत्पादों को कुछ मिनटों में कीटाणू मुक्त किया जा सकता है जोकि मौजूदा समय में बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

उन्होंने बताया कि इस टैक्नोलॉजी को निदेशक सीफेट डा. आर.के. सिंह की अगुवाई में डा. के. नरसईया और मिस सूर्या ने तैयार किया है। उन्होंने दावा किया कि इस पोर्टेबल सिस्टम के इस्तेमाल करने से हानिकारक बैक्टीरिया, खतरनाक कैमिकल व वायरस का डर नही रहेगा।

एम.एच.आर.डी. मंत्री डा. निशंक ने दी परीक्षार्थियों को एक और खुशखबरी

अब अपने गृह जिले में ही सी.बी.एस.ई. की पैंडिंग परीक्षा दे सकेंगे स्टूडैंट्स

पहले तय परीक्षा केंद्र में जाने से मिली छूट, छात्रों को अपने स्कूल में देनी होगी जानकारी

लुधियाना,27 मई (विक्की): लॉकडाउन के चलते अपनी पढ़ाई व कोचिंग बीच में छोड़ गृह जिलों में वापस लौटे स्टूडैंट्स को मानव संसाधन विकास मंत्री (एम.एच.आर.डी.) डा. रमेश पोखरियाल निशंक ने एक और राहत दी है। डा. निशंक ने ट्वीट कर बताया कि सी.बी.एस.ई. ने अब ऐसे हजारों स्टूडैंट्स को अपने गृह जिले में ही एग्जाम देने की सुविधा भी प्रदान कर दी है। यानी स्टूडैंट्स इस समय जहां हैं, वहीं से परीक्षा भी दे सकते हैं। इस फैसले से अब उन स्टूडैंट्स को फायदा होगा जो अपनी 10वीं व 12वीं की पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए अपना गृह जिला छोडक़र दूसरे राज्य या शहरों में एडमिशन लेकर पढ़ाई कर रहे थे लेकिन लॉकडाउन के चलते उन्हें अपने घरों को वापस लौटना पड़ा था।

जानकारी के मुताबिक 12वीं की बोर्ड की परीक्षाएं 1 जुलाई से शुरू होने वाली हैं जिनमें भाग ले रहे लाखों स्टूडैंट्स को भी पिछले दिनों उसी स्कूल में परीक्षा हेतु अपीयर होने की हरी झंडी दी गई थी जिसमें स्टूडैंट्स पहले से पढ़ाई कर रहे हैं।

उक्त फैसले को अमलीजामा पहनाते हुए सी.बी.एस.ई. ने गत दिवस देश में परीक्षा केंद्रों की संख्या को पहले से 5 गुणा बढक़ार 15 हजार तक कर दिया था लेकिन सी.बी.एस.ई. के इस फैसले से उन स्टूडैंट्स के आगे मुसीबत खड़ी हो गई थी जो अपने शहर को छोडक़र दूसरे राज्य या शहरों के स्कूलों में पढ़ाई कर रहे थे। ऐसे में उक्त सभी स्टूडैंट्स को परीक्षाओं में अपीयर होने के लिए वापस अपने उन्हीं स्कूलों में जाना पड़ता था।

कोचिंग हब शहरों व बोर्डिंग स्कूलों के छात्रों को फायदा

डा. निशंक ने ट्विटर पर बताया कि उक्त फैसले से बोर्डिंग स्कूलों के स्टूडैंटस को फायदा मिलेगा। वहीं कोटा जैसे कोचिंग हब में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे स्टूडैंट्स के लिए भी सी.बी.एस.ई. का यह कदम फायदेमंद होगा। एम.एच.आर.डी. मंत्री ने कहा कि लंबी दूरी एवं सोशल डिस्टैंसिंग को देखते हुए हरेक स्कूल को उक्त आदेश को लागू करना होगा।

जून के पहले हफ्ते सी.बी.एस.ई. जारी करेगा नोटिफिकेशन

वहीं मंत्री के आदेश के बाद सी.बी.एस.ई. ने भी इस बारे एक सूचना तो जारी कर दी है। बोर्ड के सैक्रेटरी अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि इस बारे जून के पहले हफ्ते में एक अन्य नोटिफिकेशन भी जारी किया जाएगा। इससे पहले संबंधित स्टूडैंट्स को अपने स्कूलों को इस बारे सूचना देनी होगी कि उनका सैंटर कौन से शहर के किस स्कूल में बनाया जाए।

रवनीत कौर ने 'भारत का मजदूर' शार्ट वीडियो से छलकाया मजदूरों का दर्द

लुधियाना, 27 मई (मीनू): यूं तो कोरोना संकट का यह समय हर एक के लिए कठिन है लेकिन प्रवासी मजदूरों के लिए यह काफी ज्यादा दर्दनाक समय है। ये मजदूर अपने छोटे-छोट बच्चों को कंधों पर उठाए चले जा रहे हैं। न तो उनके पेट में रोटी है न हाथ में रोजगार। पैदल ही जाने को मजबूर इन मजदूरों के दर्द को जब देखा तो शहर की बी.आर.एस. नगर की रहने वाली रवनीत कौर की बेचैनी ने उन्हें इन मजदूरों पर शार्ट वीडियो बनाने के लिए मजबूर कर दिया। 'भारत के मजदूर' इस शार्ट वीडियो में रवनीत कौर ने खुद मजदूर बन कर उनके दर्द को महसूस किया और दिखाया कि कैसे मजदूर पलायन करने को विवश हैं। कुछ मजदूरों से उन्होंने बातचीत की तो दर्द भरी कहानियां सुनने को मिली हैं जो सभी को रुला देंगी। मन में बात आई कि क्यों न इन मजदूरों के दर्द को शार्ट वीडियो के जरिए दिखाया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग और प्रशासन का ध्यान इन पर पड़े।

रवनीत ने कहा कि उसकी इस 3 मिनट 16 सेकेंड की वीडियो को उसके बेटे कर्णजोत सिंह ने शूट किया है। इस वीडियो को जगराओं के पैट्रोल पंप पर शूट किया गया है। इस वीडियो की अधिकतर लाइनें उनकी खुद की क्रिएशन है तो कुछ लाइनें उन्होंने निबंध से ली हैं।

भारत का मजदूर वीडियो की शूटिंग दौरान रवनीत कौर।

पहले भी 'कुदरत बोल पई' वीडियो को काफी मिली है सराहना

रवनीत कौर ने कहा कि भारत का मजदूर वीडियो से पहले भी उनकी 2 वीडियो 'कुदरत बोल पई' और 'कुड़ियां दा सत्कार करो' को काफी सराहा गया है। 'कुदरत बोल पई' वीडियो में उन्होंने दिखाया है कि कुदरत ने हमें घरों में क्यों बंद कर दिया। यह कुदरत कहती है कि हमने उसके पानी को गंदा कर दिया। वातावरण को प्रदूषित कर दिया है। अब भी समय है कि हम संभल जाएं।

शहीदी दिवस पर छबील वितरित

लुधियाना (भूपेश): गुरु अर्जुन देव जी महाराज के शहीदी दिवस पर गुरु नानक स्टेडियम में छबील की सेवा की गई। इस मौके स्वर्णकार संघ लुधियाना (रजि.) के प्रधान प्रिंस बब्बर, शिव भंडारी, अजय शाह, कर्ण भंडारी, रूपेन्द्र सिंह सोनू, जरनैल सिंह, इकबाल सिंह, मनदीप सिंह आदि मौजूद थे।

जरूरतमंद परिवारों को बांटी राशन सामग्री

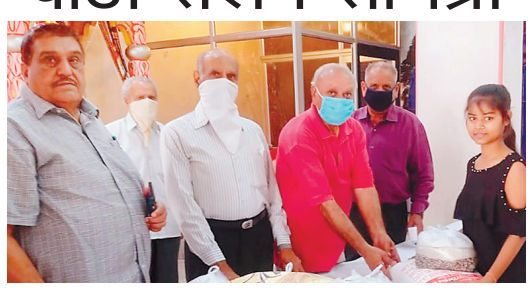
जरूरतमंद परिवार को राशन वितरित करते राम कृष्ण सलूजा, प्रदीप ढल्ल व अन्य।

लुधियाना, 27 मई (वर्मा): श्री गीता मंदिर शनि धाम विकास नगर में प्रधान राम कृष्ण सलूजा की अध्यक्षता में जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री वितरित करने के लिए एक समारोह का आयोजन किया गया। मंदिर के प्रदीप ढल्ल ने मंदिर प्रांगण में सिलाई केंद्र की 19 स्टूडैंट्स व कम्प्यूटर सैंटर में ट्रेनिंग ले रही 28 जरूरतमंद परिवारों को राशन सामग्री दी। इस अवसर पर भूपिंद्र सग्गू, परमिंद्र सिंह व पवन कांत वोहरा ने कहा कि मंदिर द्वारा समय-समय पर जरूरतमंद परिवारों की हर प्रकार से सहायता की जाती है।

यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ने जारी की चेतावनी

इंस्टीच्यूशन्स डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटीज खुद को न लिखें यूनिवर्सिटी

देश के ऐसे 127 शिक्षण संस्थानों की लिस्ट जारी

लुधियाना,27 मई (विक्की): देश के 127 इंस्टीच्यूशन्स डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटीज का दर्जा प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों को यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ने चेतावनी दी है कि उक्त संस्थान स्वयं को यूनिवर्सिटी नहीं कह सकते। बुधवार को अपनी आधिकारिक वैबसाइट पर जारी उक्त चेतावनी पत्र में यू.जी.सी. ने कहा है कि उसके ध्यान में आया है कि कई ऐसे संस्थान अपने नाम के साथ यूनिवर्सिटी लिखकर स्टूडैंट्स व पेरैंट्स को गुमराह कर रहे हैं।

यू.जी.सी. की ज्वाइंट सैक्रेटरी डॉ. अर्चना ठाकुर द्वारा जारी उक्त पत्र में कहा गया है कि अभी भी ऐसे कई संस्थान खुद को यूनिवर्सिटी बताकर प्रचार-प्रचार कर रहे हैं। ऐसा करना यू.जी.सी. के एक्ट और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना है।

खास बात तो यह है कि उक्त चेतावनी के साथ यू.जी.सी. ने 127 इंस्टीच्यूशन्स डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटीज का दर्जा प्राप्त उच्च शिक्षण संस्थानों की लिस्ट भी जारी की है। ये ऑटोनॉमस संस्थान हैं जो अपने कोर्स, सिलेबस, परीक्षा और एडमिशन अपने स्तर पर तय करते हैं लेकिन इन्हें यूनिवर्सिटी का दर्जा हासिल नहीं है। बता दें कि इसके बाद भी ये संस्थान अपने नाम के साथ सीधे-सीधे यूनिवर्सिटी लगाकर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। इससे छात्र और अभिभावक गुमराह हो रहे हैं। इन संस्थानों को यूनिवर्सिटी समझकर छात्र एडमिशन भी ले रहे हैं।

बैनर, पोस्टर, होर्डिंग में यूनिवर्सिटी शब्द के इस्तेमाल पर रोक

यू.जी.सी. की ज्वाइंट सैक्रेटरी द्वारा लिखे गए पत्र में साफ कहा गया है कि उक्तमें से कोई भी संस्थान अपने विज्ञापन, वैबसाइट, वैबसाइट के एड्रैस, ईमेल एड्रैस, लैटर हैड, किसी भी तरह के पत्राचार या किसी भी तरह के बैनर, पोस्टर, होर्डिंग में यूनिवर्सिटी शब्द का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

पंजाब के 2 संस्थानों के हैं नाम

कमीशन की ओर से जारी लिस्ट में पंजाब के 2 संस्थानों के नाम हैं जिनमें से 1 पटियाला व दूसरा संगरूर में स्थित है, जबकि हरियाणा के 6, जम्मू-कश्मीर का 1, दिल्ली के 10, चंडीगढ़ का 1, राजस्थान के 7, उत्तर प्रदेश के 9 संस्थानों के अलावा विभिन्न राज्यों में भी ऐसे संस्थान हैं जिन को डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटीज़ का दर्जा दिया गया है।